खास-खबरें

सांसद और नपाध्यक्ष ने किया वार्डो का निरीक्षण

नईदुनिया, प्रतिनिधि, मंदसौरः मंदसौर में नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी और सांसद बंशीलाल गुर्जर ने शहर के वार्ड क्रमांक 39 (यशनगर) एवं वार्ड क्रमांक 26 (चंद्रपुरा) में चल रहे सीवरेज कार्य के दौरान सड़कों की स्थिति का बुधवार को मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नपा अध्यक्ष ने संबंधित ठेकेदार को तत्काल बुलाकर स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क की मरम्मत एवं समतलीकरण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पार्षद भारती पाटीदार, धीरज पाटीदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पी.के. सुमन एवं नगर पालिका के इंजीनियरिंग विभाग की टीम मौजूद रहे।

सर्प मित्र शिवम शर्मा कर रहे जहरीले जीवों का रेस्क्यू, अब तक सैकड़ों सांपों को बचाया

नईदुनिया, प्रतिनिधि, गंजबासौदाः बारिश के मौसम में सर्पों के निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। जलभराव के कारण जमीन के अंदर रहने वाले जीव-जंतु अपने बिलों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थान तलाशने लगते हैं। ऐसे समय में गंजबासौदा के सर्प मित्र शिवम शर्मा लोगों के लिए मददगार साबित हो रहे हैं। बरेठ रोड स्थित सुभाष निकेतन गली निवासी शिवम शर्मा ने बताया कि वह लंबे समय से सर्पों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर छोड़ने का कार्य कर रहे हैं। बारिश के दिनों में उन्हें रोजाना तीन से चार सांप पकड़ने के लिए सूचना मिलती है। कई बार एक दिन में सांपों की संख्या एक दर्जन तक पहुंच जाती है। शिवम शर्मा ने लोगों से अपील की है कि घर या आसपास सांप दिखाई देने पर घबराएं नहीं और उसे मारने का प्रयास न करें। इसकी सूचना प्रशिक्षित सर्प मित्र को दें, ताकि जीव को भी बचाया जा सके और लोगों की सुरक्षा भी बनी रहे। सर्प रेस्क्यू के लिए शिवम शर्मा से मोबाइल नंबर 9098115004 पर संपर्क किया जा सकता है।

आरबीएसके योजना में अमृत के जन्मजात कटे होंठ का हुआ निःशुल्क सफल ऑपरेशन

नईदुनिया, प्रतिनिधि, विदिशाः राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले के छह माह के मासूम अमृत के जन्म से ही कटे होंठ (क्लेफ्ट लिप) की समस्या का सफल निःशुल्क ऑपरेशन कर उसे नई मुस्कान और बेहतर भविष्य का अवसर मिला है। जिला चिकित्सालय विदिशा स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्चे का विस्तृत परीक्षण किया तथा परिजनों को बीमारी, उसके उपचार, ऑपरेशन की प्रक्रिया और आरबीएसके योजना के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क सुविधाओं की पूरी जानकारी दी। चिकित्सकों ने समय पर ऑपरेशन कराने की सलाह भी दी। परिजनों की सहमति के बाद अमृत को भोपाल के एक निजी चिकित्सालय में रेफर किया गया, जहां उसके क्लेफ्ट लिप का सफल एवं पूर्णतः निःशुल्क ऑपरेशन किया गया।

खाद की कालाबाजारी से किसान परेशान जांच के बाद भी कार्रवाई का इंतजार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरुंदाः खरीफ सीजन में खाद की बढ़ती मांग के बीच भैरुंदा तहसील क्षेत्र में खाद की कालाबाजारी का मामला सामने आने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का आरोप है कि यूरिया और डीएपी जैसे आवश्यक उर्वरक निर्धारित कीमत से अधिक दामों पर बेचे जा रहे हैं। शिकायतों के बाद प्रशासन ने जांच तो कराई, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं होने से किसानों में नाराजगी है।

किसानों के अनुसार, शासन ने यूरिया की 45 किलो बोरी का मूल्य 266.50 रुपये निर्धारित किया है, जबकि लाड़कुई सहित कई क्षेत्रों में यही बोरी 350 से 500 रुपये तक में बेची जा रही है। इसी तरह करीब 1350 रुपये कीमत वाली डीएपी खाद के लिए किसानों से 1800 से 2000 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि खरीफ बुवाई के समय खाद की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। ऐसे में मजबूरी में अधिक कीमत चुकाकर खाद खरीदनी पड़ रही है। समय पर खाद नहीं मिलने से फसल उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। किसान नेता शंकर जाट ने बताया कि खाद की कालाबाजारी को लेकर 2 जुलाई को प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने जांच की, लेकिन अभी तक किसी विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है।

ई-अटेंडेंस का दबावः उफनते नाले से स्कूल पहुंचने को मजबूर शिक्षक

नईदुनिया प्रतिनिधि, शाजापुरः एक तरफ सरकार डिजिटल इंडिया और ई-अटेंडेंस के जरिए शिक्षा व्यवस्था को सख्त और हाईटेक बनाने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण अंचलों की जमीनी हकीकत इन दावों के बीच बुनियादी सुविधाओं की पोल खोल रही है। शाजापुर जिले के मोहन बड़ोदिया विकासखंड में इन दिनों शिक्षकों को अपनी ड्यूटी निभाने के लिए मौत से आंख-मिचौली करनी पड़ रही है। शासन की ई-अटेंडेंस की सख्ती और बच्चों का भविष्य संवारने की ललक में शिक्षक रोज उफनते नाले को पार कर जान जोखिम में डालने को विवश हैं। ताजा मामला विकासखंड के एकीकृत शासकीय हाई स्कूल, नौलाया का है। क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण स्कूल के समीप स्थित नाला उफान पर आ गया। पानी का जलस्तर इतना बढ़ गया कि मुख्य मार्ग पूरी तरह से जलमग्न हो गया। इन खतरनाक हालात के बीच स्कूल के प्राचार्य गोकुल प्रसाद कुलमिया और अन्य स्टाफ सदस्य उफनता हुआ नाला पार कर किसी तरह विद्यालय पहुंचे। प्राचार्य और शिक्षकों ने बताया कि बारिश के दौरान अक्सर नाले का पानी सड़क पर आ जाता है, जिससे रास्ता बेहद खतरनाक हो जाता है, लेकिन शासन द्वारा लागू ई-अटेंडेंस व्यवस्था के चलते उन्हें हर हाल में समय पर विद्यालय पहुंचकर अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करानी होती है। इसके साथ ही, शिक्षकों का कहना है कि वे नहीं चाहते कि मौसम की वजह से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो, इसलिए वे प्रतिदिन यह खतरा उठाकर स्कूल आ रहे हैं।

हर साल की है यही कहानी, प्रशासन बेखबरः स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया से जान जोखिम में डालकर निकालना कोई एक दिन की समस्या नहीं है, बल्कि हर साल बारिश के मौसम में यही हालात बनते हैं। नाले पर सुरक्षित पुल या कोई वैकल्पिक मार्ग न होने के कारण शिक्षकों, विद्यार्थियों और आम ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। मामलो में कई बार प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित किया है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका है।

निर्माण कार्यों में लापरवाही पर सांसद फिरोजिया सख्त, अफसरों को दिए निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक संकुल में आयोजित दिशा समिति की बैठक में सांसद अनिल फिरोजिया ने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करें।

बैठक में सांसद ने विशेष रूप से श्रावण-भादौ मास में निकलने वाली भगवान महाकाल की सवारी के मार्ग, शहर में चल रहे निर्माण कार्यों, पाइपलाइन बिछाने और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सड़क, सीवरेज, गैस पाइपलाइन सहित अन्य कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि आम नागरिकों को परेशानी न हो।

सांसद ने एमआर-05 मार्ग पर नाले के कारण लोगों को हो रही समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन को

देखते हुए शहर की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना प्राथमिकता है।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बैठक में बताया कि सिंहस्थ के लिए प्रस्तावित चार नए ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा ढाबा रोड सहित अन्य प्रमुख मार्गों के निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने की तैयारी है। सांसद ने निर्देश दिए कि जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनका शीघ्र लोकार्पण कर जनता को उसका लाभ पहुंचाया जाए।

राज्यसभा सांसद उमेश नाथ महाराज ने शहर में पेयजल व्यवस्था को लेकर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर पाइपलाइन विस्तार का कार्य किया जाए।

विद्युत व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सांसद फिरोजिया ने अधिकारियों को मानसून के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में कहीं भी खुले तार, ढीले विद्युत तार या कमजोर पोल नहीं रहने चाहिए। बिजली आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद ने निर्माणाधीन शैक्षणिक भवनों को जल्द पूरा करने और विद्यार्थियों के लिए आरओ वाटर सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सांसद ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बजट का सही उपयोग सुनिश्चित किया जाए और अधिकारी नियमित रूप से मैदानी स्तर पर निरीक्षण करें। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी कार्य में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेश नाथ महाराज, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुंवर, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक नागदा-खाचरौद डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान सहित जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए ईडब्ल्यूएस मकानों की स्थिति की समीक्षा भी की गई। सांसद ने निगम और प्राधिकरण अधिकारियों को खाली पड़े मकानों की सूची तैयार कर पात्र हितग्राहियों को जल्द आवंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए।

सीहोर में भोपाल के तीन चोर गिरफ्तार 1.30 लाख रुपए के जेवर और मोबाइल बरामद

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः कोतवाली थाना क्षेत्र में सूने मकान में चोरी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में भोपाल जिले के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण और एक मोबाइल फोन सहित करीब 1.30 लाख रुपए का सामान बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 7 मार्च 2026 को सीहोर निवासी सुरेखा ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि अज्ञात चोर उनके सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर, नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। नगर पुलिस अधीक्षक अभिनंदना शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रविन्द्र यादव के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इन तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार : गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुन्ना उर्फ रोहित शिल्पकार निवासी वार्ड नंबर 13, सिलावट मोहल्ला, बैरसिया, भारत उर्फ भरत काला निवासी पलासी करोंद, जिला भोपाल और करन शाक्य निवासी वार्ड नंबर 17, शांतिकुंज, बैरसिया के रूप में हुई है।

1.30 लाख रुपए का सामान बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है। इसमें करीब 5 ग्राम का सोने का मंगलसूत्र पेंडेंट और 8 सोने के पारे, जिनकी कीमत करीब 75 हजार रुपए है। इसके अलावा करीब 100 ग्राम चांदी के आभूषण, जिनमें एक जोड़ी पायजेब, एक झूमर और चार बिछुड़ियां शामिल हैं। इनकी कीमत करीब 25 हजार रुपए बताई गई है। साथ ही 30 हजार रुपए कीमत का एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 1.30 लाख रुपए है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा। साथ ही शहर में चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

बासौदा में सरकारी भवनों में संचालित हों आंगनबाड़ी केंद्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः नगरीय क्षेत्र में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए शासकीय खाली पड़े भवनों के उपयोग की मांग उठने लगी है। नागरिकों का कहना है कि नगर में कई सरकारी भवन अनुपयोगी पड़े हैं, जिनमें आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा सकते हैं। इससे शासन का किराया खर्च बचेगा और बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

जानकारी के अनुसार, बासौदा नगरीय क्षेत्र में वर्ष 2006 से आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। वर्तमान में करीब 40 केंद्र संचालित हैं, लेकिन इनमें से केवल 11 केंद्र ही शासकीय भवनों में चल रहे हैं। वहीं 29 केंद्र अभी भी किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि नगर क्षेत्र में कृषि विभाग, सिंचाई विभाग, पुरानी कृषि उपज मंडी कार्यालय, आजीविका मिशन और कुछ स्कूलों के ऐसे भवन हैं, जिनका उपयोग आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए किया जा सकता है। इन भवनों के उपयोग से शासन को हर माह हजारों रुपये किराए के रूप में होने वाले खर्च से राहत मिल सकती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, वार्ड क्रमांक 7, 8, 10, 13, 14 और 15 सहित कई क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इनमें से अधिकांश केंद्र किराए के भवनों में चल रहे हैं। कुछ निजी भवनों की स्थिति भी ठीक नहीं है, जिससे बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नागरिकों ने बताया कि शासकीय भवन उपलब्ध होने के बावजूद उनका उपयोग नहीं किया जा रहा है। यदि खाली पड़े भवनों में आंगनबाड़ी केंद्र शुरू किए जाएं तो बच्चों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकेंगी। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर क्षेत्र में उपलब्ध शासकीय भवनों का सर्वे कर उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए उपलब्ध कराया जाए, ताकि बच्चों को सुविधा मिलने के साथ ही शासन के किराया खर्च में भी कमी आ सके।

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा महत्वपूर्ण बैठक लेंगे विदिशा में आज

विदिशा। भोपाल संभाग के आयुक्त कर्मवीर शर्मा आज गुरुवार 9 जुलाई को जिले का भ्रमण कर विभिन्न विभागों की प्रमुख योजनाओं, अभियानों, नवाचारों तथा विभागीय समस्याओं की विस्तृत समीक्षा करेंगे। जिले की कानून-व्यवस्था एवं राजस्व संबंधी विषयों पर उच्च स्तरीय बैठक भी होगी। इस समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के केवल जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक के साथ जिले की कानून-व्यवस्था एवं राजस्व विषयों की संयुक्त समीक्षा करेंगे। इस बैठक में जिले की सुरक्षा व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, शांति एवं सुव्यवस्था बनाए रखने तथा विभिन्न संवेदनशील मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में जिले के समस्त पुलिस एवं राजस्व अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

सनखेड़ी में 33/11 केवी उपकेंद्र का लोकार्पण नौ गांवों को मिलेगी निर्बाध बिजली

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेनः जिले के सांची जनपद अंतर्गत ग्राम सनखेड़ी में 5 एमवीए क्षमता के नवीन 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण बुधवार को ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी और जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा ने किया।

करीब 2 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस उपकेंद्र के शुरू होने से सनखेड़ी सहित आसपास के नौ गांवों के ग्रामीणों और किसानों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री ने उपकेंद्र निर्माण के लिए भूमि दान करने वाले नारायण सिंह बघेल का सम्मान भी किया। इस अवसर पर पौधरोपण भी किया गया।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। गांवों में बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और लो-वोल्टेज जैसी समस्याओं के समाधान के लिए नए विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्बाध बिजली मिलने से विद्यार्थियों को पढ़ाई में सुविधा होगी और किसानों को सिंचाई के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बताया कि नए उपकेंद्र से विशनखेड़ी, बिजौली, सनखेड़ी, देवलखेड़ी, आलमखेड़ा, रामगढ़, झिरनिया, महुआखेड़ा और हिम्मतगढ़ गांवों को पर्याप्त बिजली मिलेगी। पहले इन गांवों को मेहगांव फीडर से विद्युत आपूर्ति की जाती थी, लेकिन अब नए फीडर से सप्लाई होने से लो-वोल्टेज और बार-बार फॉल्ट की समस्या दूर होगी।

उन्होंने कहा कि फुल वोल्टेज बिजली मिलने से किसानों के विद्युत पंप और घरेलू उपकरण सुरक्षित रहेंगे। साथ ही मेहगांव फीडर से जुड़े अन्य गांवों में भी विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

विधायक डॉ. चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। गांवों को सड़कों से जोड़ा गया है और नवीन स्वास्थ्य केंद्रों व स्कूल भवनों सहित कई विकास कार्य कराए गए हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा सहित मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

किसानों का भोपाल में प्रदर्शन, करंट से गंभीर घायल किसान को न्याय, मुआवजा और सरकारी नौकरी दिलाने की मांग

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः सीहोर जिले के दर्जनों गांवों से पहुंचे सैकड़ों किसानों ने गुरुवार को किसान एवं समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा के नेतृत्व में भोपाल में ऊर्जा मंत्री प्रभुराम तोमर, सीहोर जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर तथा मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के अधिकारियों के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने विद्युत विभाग की कथित लापरवाही के कारण करंट से गंभीर रूप से घायल हुए किसान सतीश मेवाड़ा को न्याय, उचित मुआवजा, सरकारी नौकरी तथा दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

किसानों ने बताया कि 18 जून 2026 को सीहोर जिले के ग्राम भरवेली निवासी किसान सतीश मेवाड़ा अपने खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। खेत के ऊपर से गुजर रही 11 केवी की विद्युत लाइन काफी समय से झूल रही थी। इसकी शिकायत ग्रामीणों और किसानों द्वारा पहले ही लाइनमैन एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों से कई बार की जा चुकी थी, लेकिन समय रहते लाइन की मरम्मत नहीं की गई।

इसी दौरान सतीश मेवाड़ा करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। किसानों ने कहा कि इससे पहले वे सीहोर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री को भी कई बार ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण मजबूर होकर उन्हें भोपाल आकर आंदोलन करना पड़ा।

ऊर्जा मंत्री से मुलाकात के बाद किसान विद्युत मंडल के एमडी कार्यालय, गोविंदपुरा भी पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मुख्य सचिव अनुराग जैन, ऊर्जा मंत्री प्रभुराम तोमर और प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर के नाम ज्ञापन सौंपे। प्रदर्शन में ग्राम भरवेली, बिलकिसगंज, रामखेड़ी, अमरूद, अवंतीपुरा, चंदेरी, मगरखेड़ा, मोरिया, भगवानपुर, डाबला सहित दर्जनों गांवों के किसान शामिल हुए।

सड़कों पर घूम रहा गोवंश, गौशालाओं की व्यवस्था पर उठे सवाल

भैरूंदा। तहसील क्षेत्र में आवारा गोवंश की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मुख्य सड़कों पर बैठे गाय और बैल वाहन चालकों के लिए खतरा बने हुए हैं। बारिश के मौसम में यह समस्या और बढ़ गई है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन द्वारा गौशालाओं के संचालन के लिए लाखों रुपये का अनुदान दिया जाता है, इसके बावजूद बड़ी संख्या में गोवंश सड़कों पर नजर आ रहा है। ऐसे में गौशालाओं की व्यवस्था और अनुदान के उपयोग को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बारिश के दौरान मक्खियों और कीड़ों से बचने के लिए गोवंश सड़क पर बैठ जाता है। रात के समय कम दृश्यता और सड़क पर फिसलन के कारण वाहन चालकों को अचानक सामने आए पशु दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन हादसों में कई लोग घायल हो चुके हैं, वहीं गोवंश को भी नुकसान पहुंचता है।

कांवड़ यात्रा ने साढ़े 6 घंटे में नापा 20 किमी का सफर, चिंतामन गणेश का किया अभिषेक

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः अच्छी बारिश और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर नजदीकी ग्राम पार्वती से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा निकाली गई। ग्राम पार्वती से सुबह 10 बजे शुरू हुई कांवड़ यात्रा साढ़े 6 घंटे तक बिना थके, अविरल चलती रही और शाम 4.30 बजे करीब 20 किलोमीटर का लंबा सफर तय कर ऐतिहासिक चिंतामन गणेश मंदिर पहुंची। हाथों में धर्म ध्वज और कांवड़ में पार्वती नदी का पवित्र जल लिए हजारों श्रद्धालुओं का पैर जब विघ्नहर्ता के दरबार में थमा तो पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा। परंपरा के अनुसार माता पार्वती के जल से उनके पुत्र भगवान गणेश का भव्य जलाभिषेक कर किसानों ने झमाझम बारिश और लहलहाती फसलों की मन्नत मांगी।

बता दें हर वर्ष अषाढ़ के पवित्र महीने में ग्राम पार्वती के निवासी इस पावन परंपरा का निर्वहन करते हैं। बुधवार की सुबह हजारों की तादाद में ग्रामीण पार्वती नदी से

जल भरकर और हाथों में धर्म ध्वज लेकर पैदल जत्थे के रूप में रवाना हुए। इस यात्रा की खासियत यह है कि रास्ते में पडने वाले दर्जनों गांवों के लोग न केवल इस पैदल जत्थे का भव्य स्वागत करते हैं, बल्कि खुद भी कांवड़ उठाकर इस भक्ति यात्रा में शामिल होते जाते हैं। देखते ही देखते यह छोटी सी यात्रा एक विशाल जनसैलाब में तब्दील हो गई।

इन गांवों के हजारों श्रद्धालु हुए यात्रा में शामिलः 20 किलोमीटर की उत्साह से भरी पदयात्रा में क्षेत्र के दर्जनों गांवों की सहभागिता रही। जत्थे में मुख्य रूप से पिपल्या नगर रेलवे स्टेशन पार्वती, ग्राम बावडिया मैना, जंगीखेड़ी, खजूरी अलादाद, मूडलाकलां, कराडियाभील, बिजौरा, बिजौरी, नयापुरा, बकतल, कौडियाछितु और लोंदिया सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। रास्ते भर भगवान गणेश के जयकारों से पूरा माहौल धर्ममय बना रहा।

नदी-तालाब भरे रहें और किसानों की हो उन्नतिः यात्रा के मुख्य सूत्रधार डॉ. पूरण सिंह ने बताया कि यह परंपरा कई दशकों से अनवरत चली आ रही है। चिंतामन गणेश मंदिर में माता पार्वती के जल से विघ्नहर्ता का अभिषेक कर हम सभी जिलेवासियों की खुशहाली की कामना करते हैं।

दर्शन के बाद भक्तों को मिली असीम शांति

ऐतिहासिक चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचने के बाद सभी श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान के दर्शन किए। जलाभिषेक और महाआरती के बाद उपस्थित भक्तों के बीच प्रसादी का वितरण किया गया। भीषण गर्मी और उमस के बीच 20 किलोमीटर पैदल चलने के बाद भी श्रद्धालुओं के चेहरे पर थकान की जगह एक अद्भुत मुस्कान और संतोष था। ग्रामीणों ने बताया कि भगवान गणेश के चरणों में शीश नवाकर उन्हें परम सुकून और शांति की अनुभूति हुई है।